GST में Regular और Composition Scheme क्या होती है?

- अगर आप business करते हैं या GST लेने की सोच रहे हैं,
- तो आपने ज़रूर सुना होगा —
- “Regular GST लेना है या Composition?” 🤔
- गलत scheme चुन ली,
- तो ज़्यादा टैक्स, ज़्यादा compliance और penalty भी लग सकती है।
- आज की इस वीडियो में हम Regular और Composition GST को बिल्कुल आसान भाषा में समझेंगे,
- ताकि आप अपने business के लिए सही फैसला ले सकें।

GST Registration क्या होता है?

- GST Registration मतलब: 👉 सरकार के पास business को register करना,
- ताकि आप:
- ✔️ Tax collect कर सकें
- ✔️ Tax pay कर सकें
- ✔️ Legal bill दे सकें
- GST registration लेते समय आपको scheme चुननी होती है:
- Regular Scheme
- Composition Scheme

Regular GST Scheme क्या होती है?

- 👉 Regular GST Scheme वह scheme है जिसमें:
- ✔️ आप ग्राहक से GST ले सकते हैं
- ✔️ Input Tax Credit (ITC) ले सकते हैं
- ✔️ पूरे देश में business कर सकते हैं
- 🔍 Regular GST की खास बातें:
- Customer से GST अलग से charge कर सकते हैं
- GST return हर महीने / quarter भरना पड़ता है
- Compliance थोड़ी ज़्यादा होती है
- Example:
- अगर आप ₹1000 का सामान बेचते हैं
- और GST 18% है
- तो:
- Product price: ₹1000
- GST: ₹180
- Total bill: ₹1180

Composition Scheme क्या होती है?

- Composition Scheme छोटे व्यापारियों के लिए बनाई गई है।
- इसमें: ✔️ Tax rate बहुत कम होता है
- ✔️ Return आसान होते हैं
- ❌ Customer से GST अलग से नहीं ले सकते
- ❌ ITC नहीं ले सकते
- 📌 **Eligibility** (2025 तक लागू नियमों के अनुसार):
- Annual turnover:
- Goods business: ₹1.5 करोड़ तक
- Restaurant (without AC/Liquor): ₹1.5 करोड़ तक

Composition GST के Tax Rates

- Manufacturer
- 1%
- Trader
- 1%
- Restaurant
- 5%
- 📌 ये tax आपकी turnover पर लगता है, न कि profit पर।

Composition Scheme में क्या-क्या नहीं कर सकते?

- Composition GST में:
- ❌ Inter-state sale नहीं कर सकते
- ❌ E-commerce (Amazon, Flipkart) पर sale नहीं
- ❌ Input Tax Credit नहीं मिलेगा
- ❌ GST invoice नहीं बना सकते (Bill of Supply बनता है)

किसके लिए कौन-सी Scheme सही है?

- ✅ Regular GST सही है अगर:
- ✔ आप inter-state business करते हैं
- ✔ B2B clients हैं
- ✔ Input Tax Credit चाहिए
- ✔ E-commerce पर बेचते हैं
- ✅ Composition GST सही है अगर:
- ✔ Local small business है
- ✔ Customers mostly end-users हैं
- ✔ Compliance आसान चाहिए
- ✔ Profit margin ज़्यादा है

गलत Scheme लेने का नुकसान

- अगर:
- ❌ गलत scheme चुन ली
- ❌ Limit cross कर ली
- ❌ Rule follow नहीं किया
- तो:
- Penalty लग सकती है

- Regular scheme में shift करना पड़ेगा
- Back-dated tax देना पड़ सकता है
- तो
- 👉 Scheme चुनते समय सिर्फ कम टैक्स न देखें
- 👉 Business model समझें
- 👉 Future growth का plan देखें

निष्कर्ष

- अगर आपको ये वीडियो easy और useful लगी हो,
- तो 👍 Like करें
- 🔔 Channel Subscribe करें
- Comment में लिखें: 👉 आप Regular GST में हैं या Composition?
- 👉 और हाँ, अगर आप हमारे Whatsapp चैनल से जुड़ना चाहते है तो डिस्क्रिप्शन में दिए गए लिंक से जुड सकते है।

ऐसी ही उपयोगी जानकारी हासिल करने के लिए हमारी यूट्यूब चेनल "Azaz Kaladiya" को Subscribe करें।